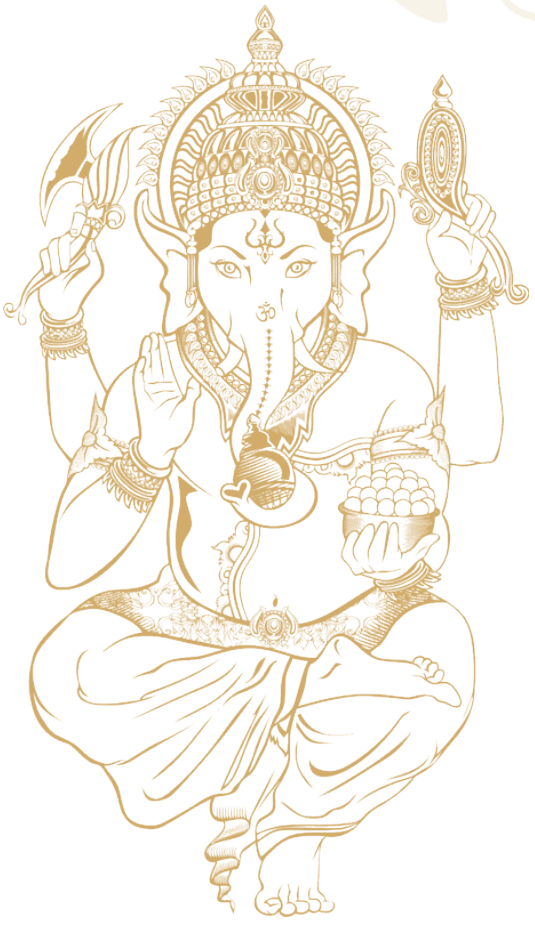

Vishal Shahi

Aishwarya Singh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121673906

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/03/1997	जन्म तिथि	08/10/1996
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 15:50:00	जन्म समय	19:25:00 घंटे
घटी 23:50:24	जन्म समय(घटी)	33:51:19 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Deoria
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:31:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:05:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:50	सूर्योदय	05:50:41
17:58:58	सूर्यास्त	17:33:37
23:49:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 16वर्ष 0मा 29दि	22:35:34	कर्क	लग्न	मेष	28:05:47	केतु 3वर्ष 8मा 20दि
चन्द्र	20:03:57	कुंभ	सूर्य	कन्या	21:44:51	सूर्य
04/04/2019	15:56:43	धनु	चंद्र	सिंह	06:14:29	29/06/2020
03/04/2029	07:41:08	कन्या व	मंगल	कर्क	23:43:09	30/06/2026
चन्द्र 02/02/2020	13:45:13	कुंभ	बुध	कन्या	05:21:39	सूर्य 17/10/2020
मंगल 02/09/2020	15:43:39	मक	गुरु	धनु	15:53:22	चन्द्र 17/04/2021
राहु 04/03/2022	12:45:20	कुंभ	शुक्र	सिंह	11:20:37	मंगल 23/08/2021
गुरु 04/07/2023	13:09:56	मीन	शनि व	मीन	09:14:45	राहु 18/07/2022
शनि 01/02/2025	04:59:39	कन्या व	राहु	कन्या	14:12:44	गुरु 06/05/2023
बुध 04/07/2026	04:59:39	मीन व	केतु	मीन	14:12:44	शनि 17/04/2024
केतु 02/02/2027	12:58:15	मक	हर्ष व	मक	06:49:49	बुध 22/02/2025
शुक्र 02/10/2028	05:14:13	मक	नेप	मक	01:09:55	केतु 29/06/2025
सूर्य 03/04/2029	11:46:47	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	07:27:33	शुक्र 30/06/2026

लग्न-चलित

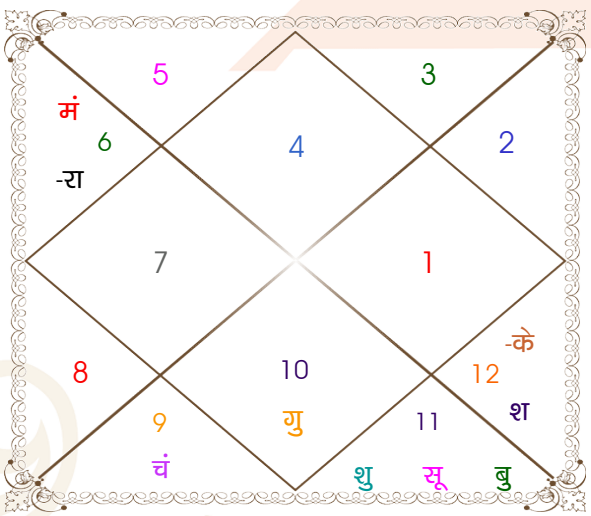

लग्न-चलित

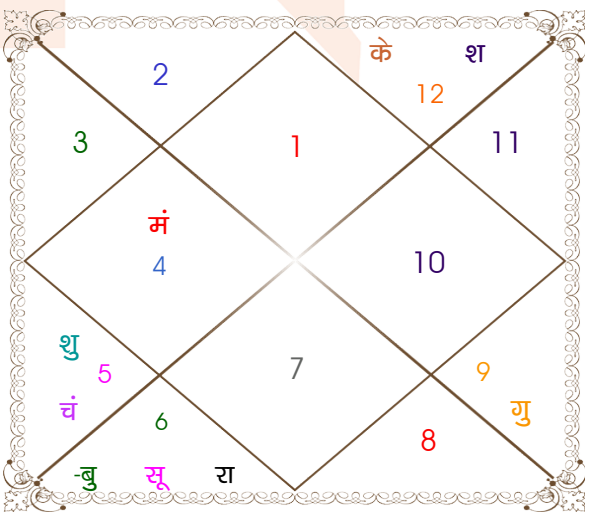

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

टर्पीस ँीप का वर्ग मूषक है तथा ।र्पीूतलं ँपदही का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टर्पीस ँीप और ।र्पीूतलं ँपदही का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

टर्पीस ँीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

।र्पीूतलं ँपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।र्पीूतलं ँपदही कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।र्पीूतलं ँपदही कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो

जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु टर्पीसॅीप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टर्पीसॅीप तथा ।र्पीूतलॅपदही में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।